लंड बदलकर चुत चुदाई का मजा- 1

“मेरी नॉन वेज कहानी सेक्स की में पढ़ें कि मेरी दीदी मेरे पति से चुदाई करवा के आयी तो मैंने भी उनसे अपनी इच्छा बतायी कि मैं भी जीजू से चुदना चाहती हूँ. तो दीदी ने क्या किया ? …”

Story By: मधु जायसवाल (madhu149)
Posted: Tuesday, July 7th, 2020
Categories: जीजा साली की चुदाई
Online version: लंड बदलकर चुत चुदाई का मजा- 1

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

लंड बदलकर चुत चुदाई का मजा- 1

मेरी नॉन वेज कहानी सेक्स की में पढ़ें कि मेरी दीदी मेरे पति से चुदाई करवा के आयी तो मैंने भी उनसे अपनी इच्छा बतायी कि मैं भी जीजू से चुदना चाहती हूँ. तो दीदी ने क्या किया ?

दोस्तो नमस्कार ! मैं मधु एक बार फिर आप लोगों का अपनी आत्मकथा में स्वागत करती हूँ. आप लोगों ने मेरी पिछली नॉन वेज कहानी
दीदी की चुत में मेरे पति का लंड
में मेरी दीदी और मेरे पति की चुदाई के बारे में पढ़ा था कि किस तरह मेरी दीदी, मेरे सो जाने के बाद मेरे पति से चुदी थीं.

अब उसी कहानी को आगे बढ़ाते हुए आगे की नॉन वेज कहानी सेक्स की लिख रही हूँ.

दीदी ने अपनी चुदाई की कहानी पूरी बताई, जिससे मेरी चूत के कुलबुलाहट होने लगी थी.

फिर मैं अपनी चुत को सहलाते हुए बोली- दीदी, आपने तो अपनी गर्मी बुझा ली, मगर अब मैं क्या करूं ?
दीदी बोलीं- शाम तो हो ही गयी है … कुछ देर बाद तुम अमित से चुद लेना.

इस पर मैं बोली- दीदी ये गलत बात है … ना आपने तो बिना बताए स्वाद बदल लिया और मुझे एक ही टेस्ट वाला खाना खाने को बोल रही हो.
दीदी हंसती हुई बोलीं- तुम साफ साफ क्यों नहीं बोलतीं कि तुझे अपने जीजू के साथ चुदना है ?

इतना बोलकर हम दोनों बहनें हंसने लगीं.

मैं भी हंसते हुए बोली- हां दीदी मैं जीजू से चुदना तो चाहती हूँ. अगर आप आज्ञा दो तो.
मेरी दीदी ने इस बात पर मेरी एक चूची को जोर मसला और हंसते हुए बोलीं- जा छोटी जा … बनवा ले अपनी चुत का भोसड़ा और बन जा मेरी सौतन.
मैं भी हंसते हुए बोली- आप तो मेरी सौतन बन ही गयी हो … तो मैं क्यों पीछे रहूं.

हम दोनों बहन हंसने लगीं.

फिर हमने प्लान किया कि कैसे हम दोनों को अलग अलग एक दूसरे के पति से चुदना है. क्योंकि मेरे पति से चुदने के बाद मेरी दीदी की प्यास और भी ज्यादा बढ़ गयी थी.

अभी हम लोग आपस में बात ही कर रहे थे कि तभी दीदी बोलीं- ऐसा करते हैं … परसों रविवार है. उस दिन तेरे जीजू की छुट्टी रहेगी … उस दिन मैं तेरे पति के साथ बाजार चली जाऊंगी … और उसी समय तू अपने जीजू से घर में चुद लेना.

मैंने उनकी इस प्लानिंग पर दीदी की गांड दबाते हुए कहा- बाजार जाओगी या इसकी सर्विसिंग करवाने जाओगी.
तभी दीदी आह करते हुए बोलीं- इतनी जल्दी तो तेरे पति को गांड नहीं मारने दूंगी.
मैं बोली- क्यों दीदी ?
दीदी बोलीं- वो सब छोड़ … तू कल चुद लेना … बस अभी इतना ही फाइनल करते हैं.

मैंने भी हामी भर दी.

फिर उस दिन हम दोनों ऐसे ही नॉर्मल रहने लगे … लेकिन हमारे पति लोग नार्मल नहीं थे. उन लोगों को जब भी मौका मिलता, तो एक दूसरे की बीवियों पर टूट पड़ते.

जीजू मेरे पास जब भी आते, मैं उनको अपने से दूर करने की कोशिश करती. लेकिन वो तब भी मेरी चूचियां, गांड दबा ही देते या मुझे किस कर लेते. कभी कभी जब मैं गर्म हो जाती,

तो मैं भी उनका साथ दे देती थी … जिससे वो और जोश में आ जाते थे.

जितना भी उनको मौका मिलता, वो पूरा लाभ उठाते थे. उन्हें क्या पता था कि उनकी साली उनके साथ चुदने का प्लान बना चुकी है. मैं तो बस जीजू को तड़पा रही थी.

उधर दूसरी तरफ मेरी दीदी और मेरे पति को जब भी मौक़ा मिलता, तो वो लोग तो एक दूसरे के कपड़ों में हाथ डालकर खेल लेते थे.

दो दिन ऐसे ही चलता रहा.

फिर वो दिन आ गया, जिस दिन मैं जीजू से चुदने वाली थी. जीजू को दीदी ने बता दिया था कि वो अमित के साथ बाजार जाने वाली है.

सुबह सुबह दीदी नाश्ता बना रही थीं और जीजू छत पर मुझे चोदने की प्लानिंग बना रहे थे.

उस समय मेरा पति दीदी के साथ किचन में मजे कर रहा था. मैंने सोची कि मैं भी जीजू के पास ही चली जाती हूँ. मैं अब छत पर चली गयी.

जीजू मुझे देखते ही खुश हो गए और मेरे गले लग गए. मैं उनके इस तरह से गले लगते देख कर अचकचा गई.

मैंने उन्हें जबरदस्ती अपने से अलग किया और बोली- क्या कर रहे हो जीजू … पागल हो गए हो क्या !
जीजू बोले- यार मैं जब भी तुम्हें देखता हूं … तो पूरा पागल हो जाता हूँ.

जीजू ने जबरदस्ती मेरी पप्पी ले ली.

मैं बोली- क्या कर रहे हो … मैं जा रही हूँ.

इतना बोलकर जैसे ही घूमी, जीजू ने मेरी गांड पर चपत मारते हुए बोली- कहां जा रही हो मेरी रानी !
मैं थोड़ी गुस्से में बोली- आज आप सही में पागल हो गए हो.
और मैं जाने लगी.

तभी जीजू ने मुझे पकड़ कर दीवार में चिपका दिया और मुझे किस करने लगे.
मैं कसमसाने लगी- उन्हह … छोड़ो कोई देख लेगा.
जीजू बोले- देखने दो.

मेरी चूचियों को कपड़े के ऊपर से ही जीजू मुँह लगा कर पीने लगे. मुझे तो बहुत मजा आ रहा था … लेकिन मैं जीजू को तड़पाना चाह रही थी.

मैं बोली- छोड़ो … नहीं तो मैं दीदी को आवाज़ देती हूं.
इस पर जीजू थोड़े से शांत हुए और बोले- ठीक है कुछ नहीं करूंगा, लेकिन एक बात सुन लो.
मैं बोली- क्या बात है बोलो ?
जीजू बोले- तेरी दीदी और तेरे पति शॉपिंग के लिए जा रहे हैं.
मैं बोली- हां मैं जानती हूँ … मैं भी सोच रही हूँ उनके साथ चली जाऊं.

ये सुनकर जीजू हड़बड़ाते हुए बोले- क्या बात कर रही हो यार … कितनी मुश्किल से तो मौका मिला है … और तुम हो कि सब काम खराब करने में लगी हो.
मैंने भोलेपन से पूछा- कैसा काम खराब हो जाएगा !
जीजू बोले- यार मैं तुमसे एक बात कहना चाहता हूँ.
मैं बोली- हां तो साफ साफ बोलो ना … क्या बोलना है … जब से घुमा रहे हो.

जीजू बोले- यार तुम्हें तो पता ही है कि शादी से पहले से ही मैं तुम्हारा कितना बड़ा दीवाना हूँ.
ये सुनते ही मैं इतराते हुए बोली- मेरे दीवाने तो वैसे भी बहुत हैं … और जीजू वो सब पुरानी बात है. अब मेरी शादी हो गयी है.
जीजू बोले- तो मैं कहां कुछ कह रहा हूँ. मेरी तो बस एक ख्वाहिश है … और उस ख्वाहिश को पूरा करने के लिए अभी मुनासिब समय भी है.
मैं बोली- क्या बोल रहे हो जीजू … मेरी कुछ भी समझ में नहीं आ रहा है … आप साफ साफ बोलो, घुमाओ मत.
जीजू ने भी मेरी आंखों में देखा और बिना सोचे बिना रुके बोले- मैं तुम्हें चोदना चाहता हूँ.

मुझे तो जीजू से यही सुनना था.

मैं एक्टिंग करते हुए बोली- आप सचमुच पागल हो गए हो. हटो मुझे जाने दो.
इतना बोलकर मैं जाने लगी.

जीजू ने मुझे फिर से जबरदस्ती पकड़ लिया और मेरी कुर्ती में हाथ डालकर मेरी चुचियों को मसलने लगे.
मैं कसमसाने लगी और अपने आपको छुड़ा कर भागने लगी.

जीजू पीछे से बोले- मेरी रानी अभी भाग जाओ … लेकिन आज तो तुझे पक्का चोद कर रहूँगा … फिर चाहे तेरी मर्जी के खिलाफ ही क्यों न मुझे तेरी चुदाई करनी पड़े.

ये सुनकर मैं पीछे मुड़ी और जीजू को जीभ चिढ़ा कर भाग गई.

जैसे ही नीचे आयी, मेरे आने की आहट सुनकर दीदी और मेरे पति जल्दी जल्दी हड़बड़ाहट में अलग हो गए. मेरे पति सोफे पर बैठ गए और उन्होंने अपने खड़े लंड पर

कुशन रख लिया. मगर मैं ये सब देख चुकी थी.

जैसे ही अमित ने मुझे देखा, तो बोला- कहां गई थी ?
मैं बोली- छत पर गयी थी.

मैं दीदी के पास गई, तो देखा कि दीदी का चेहरा एकदम लाल था.

मैंने दीदी से धीरे से कहा- एक भी मौका नहीं छोड़ती. मेरे पति को अकेले देखी नहीं कि अय्याशी शुरू कर दी.
इतने में दीदी बोलीं- अच्छा तो तू ऊपर में मेरे पति के साथ सत्संग कर रही थी क्या ?
मैं बोली- आपके पति तो मेरी पूजा करने के लिए तैयार थे … लेकिन मैं ही भाग आयी.

इतने में दीदी बोलीं- तेरा पति तो मेरी पूजा कर भी चुका है … और प्रसाद भी खा चुका है. वैसे भी तेरा पति अभी भी मेरी चुत का भोग ही लगा रहा था कि तू आ गयी.
मैं बोली- अगर मैं नहीं आती तो आज आपके पति मेरा भी भोग लगा ही देते.
इतने में दीदी बोलीं- तो क्यों नहीं लगवा लिया ?
मैं बोली- इतनी जल्दी किस बात की है … तड़पने तो दो थोड़ा, वैसे भी सब्र का फल मीठा होता है.

इस पर दोनों बहनें हंसने लगीं.

फिर हम दोनों ने एक दूसरे के पति से चुदने का फायनल प्लान बनाया.
इस प्लान के अनुसार दीदी और मेरे पति को 2 बजे बाजार जाना था.

मैं बोली- आओगी कब तक ?
तो दीदी बोलीं- तू ही बता … तू कितने देर तक चुदेगी ?
मैं बोली- जब आपका और अमित का हो जाए, तो आ जाना.

दीदी बोलीं- तो तूने मेरे आने की पूछी क्यों … तू तो आराम से चुदना, हम लोग 8 बजे के बाद ही घर आएंगे.

मैं हंसते हुए बोली- मतलब आज आपकी गांड की बैंड बजने वाली है.
दीदी बोलीं- मेरी छिनाल बहन आज तो तेरी भी सारी गर्मी मेरे पति तेरी गांड से निकाल देंगे.

ये कहकर दीदी ने मेरी गांड पर चपत लगा दी और हंसने लगीं.

मैं बोली- आप बहुत बेशर्म होती जा रही हो दीदी.
दीदी बोलीं- अच्छा तू तो बड़ी सती सावित्री है.

इस बात पर हम दोनों बहनें ठहाका मार कर हंसने लगीं. इसके बाद हम सबने मिलकर नाश्ता किया और बातचीत करते करते न जाने समय कैसे बीत गया.

दीदी और मेरे पति बाजार जाने को तैयार थे. सब एकदम खुश थे. खुश हो भी क्यों ना … सबका टेस्ट बदलने वाला था.

दस मिनट बाद मेरे पति और दीदी निकलने के लिए तैयार थे. मेरी दीदी ने अमित के हाथ से गाड़ी की चाबी ले ली और बोलीं- गाड़ी मैं चलाऊंगी.

मेरे पति ने हामी भर दी और वे दोनों निकल गए.

उन दोनों के जाते ही जीजू ने गेट को लॉक कर दिया. मैं उस वक़्त सोफे पर बैठी थी. उस दिन मैंने स्किन टाईट जींस और टॉप पहनी हुई थी. आप लोग इमेजिन सकते हैं कि मैं इस ड्रेस में कितनी कयामत लग रही होऊंगी.

तब भी मैं आप लोगों के लिए थोड़ी सी डिटेल बता देती हूँ.

उस दिन मैंने जानबूझ कर ब्रा नहीं पहनी थी, जिसके कारण मेरी चूचियों के निप्पल साफ़ झलक रहे थे. या यूं कहूं कि जीजू को मेरी तनी हुई चूचियां और उठी हुई गांड चोदने का निमंत्रण दे रही थी कि आपकी साली की चुत भोग लगवाने के लिए तैयार है. बस आप आकर अपने लंड से इस भोग को अच्छे से लगाइए और लंड को भर भरके घुसेड़ कर मुझे मस्त चोद दीजिए … और ऐसी चुदाई कीजिए कि हम दोनों तृप्त हो जाएं.

इतने में जीजू मेरे मम्मों को घूरते हुए मेरे नजदीक आए और मेरे बगल में बैठ गए. मैंने उनकी तरफ देखा तो जीजू ने मेरे कंधे पर हाथ रखकर मुझे अपनी ओर खींच कर चिपका लिया.

फिर मैं बोली- जीजू आप अपनी आदत से बाज नहीं आओगे ना … दीदी गयी नहीं और आप शुरू हो गए.
इतने में जीजू बेशर्मी से बोले- अरे मेरी रानी … अगर तू बोल तो तेरी दीदी के सामने तुझे पटक कर चोद दूं.
फिर मैं थोड़ी सी इठलाते हुए बोली- जीजू आप कितने गंदे हो … मुझसे कैसी बेशर्मी भरी बातें करते हो.
जीजू मेरे गाल पर पप्पी करते हुए बोले- आज इन सारी बातों को तुझे प्रेक्टिकल करके दिखाउंगा.

मैं भी तो यही चाह रही थी कि जीजू अपने मोटे लंड से मुझे ढंग से फाड़ कर रख दें.

फिर मैं वहां से उठी और जानबूझ कर गांड मटकाते हुए सामने हो गयी और जीजू को चिढ़ाते हुए बोली- ये सब प्रेक्टिकल बीवी के साथ किया जाता है … साली के साथ नहीं.
मैं जीजू को जीभ चिढ़ाते हुए कमरे में भाग गई.

जीजू भी कहां पीछे रहने वाले थे. वो भी मेरे पीछे दौड़ पड़े और मैं दीदी के बेडरूम में चली

गयी.

तभी जीजू भी आ धमके और दरवाजा बंद करते हुए बोले- अब कहां जाओगी मेरी हॉट साली साहिबा.
मैं बोली- जीजू ये सब गलत है, मुझे जाने दो.
तभी जीजू खा जाने वाले इरादे से बोले- नहीं मेरी साली साहिबा … आज मैं तुम्हें नहीं जाने दूंगा … कितने सालों से मैं तुम्हें चोदना चाहता था. आज बड़ी मुश्किल से मौका मिला है. इस मौके को मैं यूं ही नहीं जाने दूंगा.
मैं इठलाते हुए बोली- जाने दो … नहीं तो मैं चिल्लाऊंगी.
तभी जीजू बोले- चिल्लाना है तो चिल्लाओ … लेकिन आज तो मैं तुम्हें चोद कर ही रहूँगा … फिर चाहे मुझे आज तुम्हारी मर्जी के खिलाफ ही क्यों न चुदाई करना पड़े.

जीजू के इस जोश को देखकर मैं तो जीजू की दीवानी हो गयी थी. मेरी चुत भी पनिया रही थी. तभी जीजू मेरी तरफ दौड़े और मैं झट से पलंग पर चढ़ गई.

मेरी चुत की चुदाई की नॉन वेज कहानी मेरे जीजू के लंड से होने वाली है, ये सोच कर मेरे मन में गुदगुदी होने लगी थी.

आगे की नॉन वेज कहानी सेक्स की में मैं दूसरे भाग में बताऊंगी कि जीजू ने मेरी किस तरह चुदाई की और मेरे साथ क्या क्या हुआ. तब तक के लिए अपनी इस प्यारी हॉट चुदक्कड़ लेखिका को इजाजत दीजिए.

आप लोगों को मेरी और मेरे जीजू की सेक्स कहानी कैसी लगी, मुझे कमेंट्स पर जरूर बताइएगा.

आपकी प्यारी मधु

नॉन वेज कहानी का अगला भाग : लंड बदलकर चुत चुदाई का मजा- 2

Other stories you may be interested in

मौसेरे भाई बहन की गांड चुदाई की कहानी -2

हॉट गर्ल की गांड की कहानी में पढ़ें कि मेरा भाई मुझे चोदना चाह रहा था पर मेरी चूत दु:ख रही थी. तो उसने मेरी गांड ही मार डाली. कैसे ? हैलो फ्रेंड्स, मैं मधु जैसवाल एक बार फिर से अपने […]
Full Story >>>

भाभी और उनकी सहेली के साथ सेक्स का मजा- 1

देसी भाभी गांड कहानी में पढ़ें कि मैं पड़ोसन भाभी को चोद चुका था. दूसरा मौक़ा मिलते ही भाभी ने मुझे बुलाया और हम होटल में चले गए सेक्स का मजा लेने. नमस्कार दोस्तो, मैं विन चौधरी आज फिर से […]
Full Story >>>

मौसेरे भाई बहन की गांड चुदाई की कहानी- 1

देसी गर्ल की चुत कहानी में पढ़ें कि मेरा मौसेरा भाई मेरे साथ रह रहा था. वो मेरी रोज चुदाई करता है. एक दिन उसने बाहर कहीं पब्लिक सेक्स का कार्यक्रम बनाया. दोस्तो, नमस्कार मैं मधु(शहद) एक बार फिर अपनी […]
Full Story >>>

मौसेरे, फुफेरे भाई बहनों की खुली चुदाई- 2

रियल कज़िन सेक्स स्टोरी में पढ़ें कि एक कमरे में दो फुफेरे भाइयों ने अपनी तीन मौसेरी और सगी बहनों के साथ मिल कर सेक्स का धमाल किया. हैलो फ्रेंड्स, मैं आपका प्रिय भोगू अपनी सेक्स कहानी में आप सभ […]
Full Story >>>

सहकर्मी लड़की ने करायी चुदाई

ऑफिस Xxx स्टोरी में पढ़ें कि मेरे ऑफिस में आयी नयी लड़की से कैसे मेरी दोस्ती हुई, मैंने उसकी मदद की काम में और फिर उसने मुझे अपनी चूत गांड की पार्टी दी. दोस्तो मैं कोटा, राजस्थान में एक प्राईवेट […]
Full Story >>>